मनमोहन तुम रूठ गए तो कौन मेरा जग में भजन लिरिक्स

मनमोहन तुम रूठ गए तो,
कौन मेरा जग में,
कान्हा कौन मेरा जग में,
साथ रहे हो अब ना रहा तो,
कौन मेरा जग में,
कान्हा कौन मेरा जग में।bd।

ज़िंदगी का कारवाँ,
रुकता नहीं है,
दिल है श्याम तुम बिन,
धड़कता नहीं है,
चलने से पहले मैं गिर गया तो,
कौन मेरा जग में,
कान्हा कौन मेरा जग में।bd।

तुम्हे क्या नहीं खबर,
सब कुछ पता है,
दिल ये दर्द मेरा,
हद से गुज़रता है,
मिलने से पहले बिछड़ गया तो,
कौन मेरा जग में,
कान्हा कौन मेरा जग में।bd।

ग़म के मेले में कैसे,
मुलाकातें हो,
मेरे इश्क़ की,
आखिरी साँसे हो,
जीने से पहले मन मर गया तो,
कौन मेरा जग में,
कान्हा कौन मेरा जग में।bd।

मिलने का रोग,
जो तुमसे लगा है,
छुलिया ना तुम छुलो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ये दास तेरा है,
दर्शन से पहले भटक गया तो,
कौन मेरा जग में,
कान्हा कौन मेरा जग में।bd।

मनमोहन तुम रूठ गए तो,
कौन मेरा जग में,
कान्हा कौन मेरा जग में,
साथ रहे हो अब ना रहा तो,
कौन मेरा जग में,
कान्हा कौन मेरा जग में।bd।

Singer – Balvyas Vivek Ji Maharaj

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com